



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बुधवार, 12 जुलाई, 1989/21 आषाढ़, 1911

हिमाचल प्रदेश सरकार

गृह विभाग

अधिसूचना

शिमला-171002, 23 जून, 1989

संख्या 11-6/67-गृह (ए).—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, मैनोवर फील्ड फायरिंग एवं आर्टिलरी ब्रैक्टिस अधिनियम, 1938 (1938 का पांचवां अधिनियम) की धारा 9 की उप-धारा (3) के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुए जैसा कि उक्त अधिनियम की धारा 9 की उप-धारा (4) में अपेक्षित है इस अधिनियम की धारा 9 की उप-धारा (2) के अधीन उन क्षेत्रों में जोकि हिमाचल प्रदेश सरकार की अधिसूचना संख्या 11-6/67-गृह (ए) भाग-II, दिनांक 3-5-88 जोकि राजपत्र (असाधारण) हिमाचल प्रदेश में 18 जून, 1988 के अंक में प्रकाशित हुई थी, निर्दिष्ट किए गए हैं में निम्नलिखित अवधि के दौरान पूर्व परिभाषित क्षेत्र में फील्ड फायरिंग तथा आर्टिलरी अभ्यास करने हेतु प्राधिकृत करने के निश्चय को सरकारी राजपत्र में इस आशय की अधिसूचना उन लोगों की सूचना हेतु जोकि इसके द्वारा प्रभावित होना सम्भावित है, सहर्ष प्रकाशित करते हैं:—

जुलाई, 1989	अगस्त, 1989	सितम्बर, 1989	अक्तूबर, 1989
3 से 8 तक	1 से 3 तक	6 से 8 तक	3 से 7 तक
11 से 12 तक	4 से 5 तक	12 से 14 तक	11 से 13 तक
13 से 15 तक	8 से 9 तक	15 से 16 तक	17 से 18 तक
19 से 21 तक	10 से 12 तक	20 से 22 तक	19 से 21 तक
24 से 25 तक	16 से 19 तक	27 से 30 तक	25 से 26 तक
26 से 29 तक	22 से 23 तक		30 से 31 तक
	24 से 26 तक		
	29 से 31 तक		

नवम्बर, 1989	दिसम्बर, 1989	जनवरी, 1990	फरवरी, 1989
1 से 3 तक	1 से 2 तक	1 से 6 तक	1 से 3 तक
7 से 8 तक	6 से 8 तक	8 से 13 तक	5 से 6 तक
9 से 11 तक	12 से 13 तक	15 से 20 तक	7 से 10 तक
15 से 17 तक	14 से 16 तक	22 से 25 तक	12 से 14 तक
20 से 22 तक	20 से 22 तक	29 से 31 तक	16 से 17 तक
24 से 25 तक	26 से 27 तक		19 से 21 तक
29 से 30 तक	28 से 30 तक		23 से 24 तक
मार्च, 1990	अप्रैल, 1990	मई, 1990	जून, 1990
1 से 3 तक	3 से 5 तक	1 से 2 तक	1 से 2 तक
5 से 6 तक	6 से 7 तक	3 से 5 तक	6 से 8 तक
8 से 10 तक	10 से 11 तक	8 से 9 तक	12 से 14 तक
13 से 14 तक	13 से 14 तक	11 से 12 तक	18 से 20 तक
16 से 17 तक	17 से 18 तक	14 से 17 तक	22 से 23 तक
27 से 28 तक	20 से 21 तक	18 से 19 तक	26 से 27 तक
30 से 31 तक	24 से 25 तक	21 से 22 तक	29 से 30 तक
	27 से 28 तक	23 से 26 तक	
		29 से 31 तक	

आदेश द्वारा,
कंवर शमशेर सिंह,
आयुक्त एवं सचिव।

पंचायती राज विभाग

कार्यालय आदेश

शिमला-2, 29 जून, 1989

संख्या पी० सी० एच०-एच० ए० (5).—क्योंकि श्री नोबु राम प्रधान, ग्राम पंचायत जोवरंग, विकास खण्ड लाहौल-स्पिति, जिला लाहौल-स्पिति पंचायत निधि तथा प्राप्त विभिन्न अनुदानों के दुरुनियोजन पंचायत निधि के उपयोग व रिकार्ड संधारण में अनियमितता बरतने तथा कई दणायों में राशि प्राप्त करने/निकालने तथा इसका इन्दराज रोकड़ में समय पर न करने अथवा काफी अन्तराल के पश्चात् वितरित करने पर जैसे आरोपों में संलिप्त लगते हैं।

कि कैशबुक के पृष्ठ 47 दिनांक 11-9-87 के अनुसार प्रधान ने श्री देवी राम, पंच को रु० 10,000 रुपये की राशि टीन की चादर त्रय करने हेतु पेशमी दी किन्तु दिनांक 6-11-87 को 1,000/- रुपये व्यय दिखा कर रु० 9,000/- रुपये नकद वापिस डाकघर में जमा करवाए इस प्रकार लगभग दो माह 10,000/- रुपये की राशि अपने पास रख कर उसका दुरुपयोग किया;

कि 3,950/- रुपये का दिनांक 26-7-87, 6-11-87, 15-12-87 को लकड़ी त्रय का व्यय दिखाया गया है परन्तु त्रय की गई लकड़ी का प्रयोग करने का पंचायत स्टॉक बुक में कोई जमा खर्च नहीं दिखाया गया;

कि दिनांक 9-9-88 को मु० 17,000/- रुपये पेशगी वाचन मिडल स्कूल, मु० 3000/- रुपये प्राथमिक पाठशाला, मु० 12,000/- रुपये प्रारंभिक राजेन बूटेल 2,000/- रुपये बिना प्रस्ताव प्रधान ने पेशगी दिवाण तथा उसका हिसाब-किताब/मुगतान समय पर नहीं किया;

यह कि अधि 6/63 से 3/87 के मध्य वकाया ग्राहक आपत्तियों के समाधान अनुवर्तन हेतु उचित पग नहीं उठाए।

यह कि प्रधान ने पंचायत की रोकड़ वही बैंक और डाकघर की पास बूकों को सचिव के पास न रख कर अनियमित रूप से अपने पास नियमाविरुद्ध रखी तथा प्रमाण-पत्र रजिस्टर व राशन कार्ड रजिस्टर भी संभारित नहीं किया।

उपरोक्त तथ्यों की वास्तविकता जानने के लिए जांच का करवाया जाना आवश्यक है।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 54 के अन्तर्गत उप-मण्डलाधिकारी (नागरिक), उदयपुर को जांच अधिकारी नियुक्त करने का सहर्ष आदेश देते हैं। वह अपनी जांच रिपोर्ट उपायुक्त, लाहौल-स्पिति के माध्यम से इस कार्यालय को प्रेषित करने की कृपा करेंगे।

शिमला-2, 29 जून, 1989

संख्या पी० सी० एच० एच० ए० (5) 33/84. -- क्योंकि श्री बलदेव राज प्रधान, ग्रामपंचायत तिन्दी, विकास खण्ड लाहौल-स्पिति, जिला लाहौल-स्पिति, पंचायत निधि के दुरुपयोग, रिकार्ड संचारण में अनियमितताएं बरतना, कई दशाब्दों में राशि प्राप्त करने के बाद इसका इन्द्राज पंचायत रोकड़ में समय पर न करने तथा काफी अन्तराज के पश्चात् राशि को वितरित करने के दोषी पाए गए हैं, जैसा कि निम्न व्योरे से स्पष्ट है;

1. कि उन्होंने 10,000/- की पेशगी रकम 1-10-87 को कैशबुक के इन्द्राज अनुसार तिन्दीपुल के निर्माण हेतु प्राप्त सिमेण्ट के 200 बैग 25-10-87 को में हरबंश लाल भुन्तर से खरीदा गया किन्तु श्री वीर सिंह टूक वाले को मु० 4,125/- रुपये टूक का भाड़ा देकर 150 बैग मोके पर पहुंचा। उक्त सप्लाई के लिए न तो कुटेजनें ली गई प्रौर न ही स्टोक बुक में सिमेण्ट के प्रयोग का हिसाब-किताब रखा;

2. कि मु० 25,000 रुपये की राशि विकास खण्ड अधिकारी लाहौल को अनुदान की वापिस की दिखई गई लेकिन स्कीमों का व्योरा तथा खण्ड विकास अधिकारी से प्राप्त विहित रसीद पंचायत रिकार्ड में उपलब्ध नहीं है;

3. रोकड़ के पृष्ठ 14 दिनांक 2-11-88 को मु० 6,000 रुपये का अनुदान परिवार नियोजन पारितोषिक के रूप में प्राप्त किया तथा इस राशि में से मु० 3,000 रुपये की राशि बिना किसी स्वीकृति के सलग्रा डिसपेंसरी के भकान का किराया दिया;

4. कि कैशबुक में 2-12-87 को 4,800/- रुपये दिनांक 31-8-87 को 10,000, रुपये 26-11-87 को 35,019.20 रुपये तक अपने पास रख कर हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) वित्त कराधान लेखा बजट नियमों की उलंघना के दोषी पाए जाने का आरोप है;

5. यह कि उन्होंने पंचायत घर के कमरों का किराया मु0 600/- रुपये पंचायत निधि में जमा न करवा कर पंचायत निधि का दुरुपयोग करने का आरोप है;

और क्योंकि उपरोक्त तथ्यों की वास्तविकता जानने के लिए जांच का करवाया जाना आवश्यक है।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 54 के अन्तर्गत उप-मण्डलाधिकारी (नागरिक), उदयपुर को जांच अधिकारी नियुक्त करने का सहण आदेश देते हैं। वह अपनी जांच रिपोर्ट उपायुक्त, लाहौल-स्पिति के माध्यम से शीघ्र इस कार्यालय को भेजने की कृपा करेंगे।

हस्ताक्षरित/-
अवर सचिव।

शिक्षा विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 4 जुलाई, 1989

सं0 शिक्षा-II क (9)-1/81-बोल-I.—समसंख्यक अधिसूचना संख्या तारीख 18-1-1986, 1-2-86, और 6-3-86 द्वारा यथा अधिमूचित स्कूल शिक्षा बोर्ड के निम्नलिखित नामनिर्दिष्ट/सहयोजित सदस्यों की पदावधि, हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 1968 की धारा 6 के अनुसार समाप्त हो चुकी है:—

नाम निर्दिष्ट सदस्य:

1. श्री आर0 आर0 शर्मा
2. श्री राम गोपाल सूद
3. डा0 आत्मा राम
4. श्री सीता राम चौहान
5. कंवर तारा चन्द
6. श्रीमती सुधा रानी
7. श्री नरेश कुमार

सहयोजित सदस्य :

श्री सोहन सिंह ठाकुर

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 1968 (1968 का 14) की धारा 4 की उप-धारा (1) के खण्ड-III के उप-खण्ड (ख), (ग), (घ) और (ङ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित को, हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के सदस्य के रूप में, तुरन्त नाम निर्दिष्ट करते हैं:—

नाम निर्दिष्ट सदस्य :

1. हिमाचल प्रदेश शिक्षा विभाग का एक निरीक्षण अधिकारी—श्री सीता राम चौहान, जिला शिक्षा अधिकारी, कुल्लू।
2. हिमाचल प्रदेश महाविद्यालयों का प्रतिनिधित्व करने वाला एक प्रधानाचार्य—डा0 आत्मा राम, प्रधानाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धर्मशाला।
3. श्री के0एस0 यादव, प्रधानाचार्य, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, घुमारवीं, जिला बिलासपुर।

4. कंवर तारा चन्द, जी० ए० बी० उच्चतर माध्यमिक पाठशाला, कांगड़ा ।
5. ऐसे हितों के प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करने के लिए एक प्रतिनिधि जिसे ग्रन्थशा प्रतिनिधित्व नहीं है मिला हो, श्री एम० एम० आचार्य, जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी, चम्बा ।

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित/-
वित्तियुक्त एवं सचिव ।

हिमाचल प्रदेश षष्ठ विधान सभा

अधिमचना

शिमला-171004, 10 जुलाई, 1989

संख्या 1-26/89-वि० स०.—राज्यपाल महोदय का निम्नलिखित आदेश दिनांक 9 जुलाई, 1989, सर्वसाधारण सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है :—

“मैं, वाइस एडमिरल रुस्तम खुसरो शापूजी गान्धी (अवकाश प्राप्त), परमविशिष्ट मेवा पदक एवं वीर चक्र विजेता, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 174(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में हिमाचल प्रदेश षष्ठ विधान सभा के पन्द्रहवें अधिवेशन का आह्वान वीरवार, 27 जुलाई, 1989 को 11.00 बजे (पूर्वाह्न) से परिषद् सदन, शिमला-171004, में समवेत होने के लिए करता हूँ ।

रुस्तम खुसरो शापूजी गान्धी,
राज्यपाल,
हिमाचल प्रदेश ।”

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित/
सचिव,
हि० प्र० विधान सभा ।

HIMACHAL PRADESH SIXTH VIDHAN SABHA

NOTIFICATION

Shimla-4, the 10th July, 1989

No. 1-26/89-VS.—The following order by the Governor of the State of Himachal Pradesh, dated the 9th July, 1989 is published for general information:—

“मैं वाइस एडमिरल रुस्तम खुसरो शापूजी गान्धी (अवकाश प्राप्त), परम विशिष्ट मेवा पदक एवं वीर चक्र विजेता, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 174(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में हिमाचल प्रदेश षष्ठ विधान सभा के पन्द्रहवें अधिवेशन का आह्वान वीरवार, 27 जुलाई, 1989 को 11.00 बजे (पूर्वाह्न) से परिषद् सदन, शिमला-171004, में समवेत होने के लिए करता हूँ ।

रुस्तम खुसरो शापूजी गान्धी,
राज्यपाल,
हिमाचल प्रदेश ।”

By order,
Sd/-
Secretary,
H. P. Vidhan Sabha.

नियंत्रक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री विभाग, शिमला-5 द्वारा मुद्रित तथा प्रकाशित ।